भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4395 का उत्तर

असम में धुबरी रेलवे स्टेशन की विस्तार योजना

4395. मोहम्मद रकीबुल हुसैन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पता है कि धुबरी रेलवे स्टेशन अत्यधिक सामरिक महत्व का है और असम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के अपने भौगोलिक महत्व के कारण यहाँ भारी संख्या में यात्री आते हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या बढ़ते यात्री यातायात को समायोजित करने और क्षेत्र में रेल सेवाओं में सुधार के लिए उक्त रेलवे स्टेशन का विस्तार और आधुनिकीकरण करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) बुनियादी ढाँचे के उन्नयन, अतिरिक्त प्लेटफार्म/बेहतर यात्री सुविधाओं सहित विशिष्ट विस्तार योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या धुबरी रेलवे स्टेशन के आर्थिक और संभार-तंत्रीय महत्व को देखते हुए उसके माध्यम से माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष प्रावधान प्रस्तावित हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): धुबरी रेलवे स्टेशन, असम राज्य में स्थित है, इसे एनएसजी-4 स्टेशन के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह प्रतिदिन लगभग 1000 यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। इसे अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किया गया है। स्टेशन

भवन और प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2 और 3, 12 मीटर पैदल पार पुल और लिफ्टों का समापन कार्य शुरू हो चुका है।

ग्राहकों के अनुभव उन्नत करने और बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना में स्टेशनों के सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वयन शामिल है। मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:

- स्टेशन और परिसंचारी क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, जल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफार्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफार्म पर कवर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंड स्केपिंग आदि का प्रावधान

योजना में आवश्यकता, चरनबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों, गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण की परिकल्पना भी शामिल है।

अब तक इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें असम राज्य में स्थित 50 स्टेशन शामिल हैं। असम राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
असम	50	अमगुरी, अरुणाचल, चपरमुख, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जंक्शन, गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाई गांव हॉल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमुती, होजाई, जगीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या जं., कोकराझार, लंका, लेडो, लामडिंग जं., माजबाट, माकुम जंक्शन, मार्गोरिटा, मारियानी जं., मुरकंगसेलेक, नाहरकटीया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलंग, न्यू करीमगंज जं., न्यू तिनसुकिया जं., उत्तरी लखीमपुर, पाठशाला, रंगापाड़ा नार्थ जं., रंगिया जंक्शन, सरूपथार, सिबसागर टाउन, सिलापथार, सिलचर, सिमालुगुड़ी, तंगला, तिनसुकिया, उदालगुड़ी, विश्वनाथ चारआली

असम राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत अब तक असम राज्य में 01 स्टेशन (हैबरगाँव) का चरण-I कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू किया गया है तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है::

- माजबाट स्टेशन: प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म का विस्तार, गाड़ी संकेतक बोर्ड, शौचालय, पोर्च, परिचलन क्षेत्र में सुधार और प्रकाश व्यवस्था का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट और पार्किंग क्षेत्र में सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- रंगापाड़ा नॉर्थ जंक्शन स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का काम पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, पोर्च, परिचलन क्षेत्र में सुधार, गाड़ी संकेतक बोर्ड, लाइटिंग और स्पर्शनीय पथ का काम शुरू हो चुका है।
- तंगला स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार और गाड़ी संकेतक बोर्ड का काम पूरा हो चुका है। शौचालय, पोर्च और परिचलन क्षेत्र में सुधार, स्पर्शनीय पथ और लिफ्ट का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।
- उदलगुड़ी स्टेशन: प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म का विस्तार और गाड़ी संकेतक बोर्ड का कार्य पूरा हो चुका है। शौचालय, पोर्च, परिचलन क्षेत्र में सुधार, स्पर्शनीय पथों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण करना एक सतत् एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकता के अनुसार पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीरण के लिए कार्य को स्वीकृति देने और निष्पादित करते समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का

परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये सभी कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। असम राज्य पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹554 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जुलाई, 2025 तक) ₹139 करोड़ का व्यय हो चुका है।

इसके अलावा, भारतीय रेल अपने नेटवर्क पर और अधिक गाड़ियाँ चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बहरहाल, किसी भी मार्ग/खंड पर नई गाड़ियों की शुरुआत, मौजूदा गाड़ियों के फेरों में वृद्धि, मौजूदा गाड़ियों का विस्तार आदि कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शामिल हैं:

- उक्त खंड की क्षमता,
- रेलपथ की उपलब्धता,
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता,
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता,
- रेलवे पटरियों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता

उपरोक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में 08 गाड़ियाँ धुबरी स्टेशन को सेवित करती है जो अन्य के साथ-साथ अलीपुरद्वार, गुवाहाटी, सिलघाट टाउन से जोड़ती हैं।

रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने और अधिक रेलगाड़ियां चलाने के लिए भारतीय रेल ने बड़े पैमाने पर नेटवर्क विस्तार कार्य शुरू किया है।

जहाँ तक माल परिवहन का संबंध है, धुबरी स्टेशन पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अलीपुरद्वार मंडल के फकीराग्राम-धुबरी खंड पर समापन स्टेशन है। पिछले तीन वर्षों में धुबरी स्टेशन पर माल लदाई/उतराई हेतु कोई मांग/प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

******